PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

वर्ष - 1 अंक - 4 मंगलवार, जुलाई 7, 2026 *विशाखापट्टनम* संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

पीजीआरएस आवेदनों के समाधान पर विशेष ध्यान दें : मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

अमरावती, ६ जुलाई (पेन पावर न्यूज): आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने लोक शिकायत निवारण प्रणाली (पीजीआरएस) के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के समाधान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में शून्य कचरा (जीरो वेस्ट) लक्ष्य प्राप्त करना प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए तथा आदिवासी क्षेत्रों में अन्ना कैंटीन स्थापित करने के लिए विशेष कदम उठाए जाएं।

सोमवार को रियल टाइम गवर्नेंस सेंटर से विभिन्न प्रशासनिक विषयों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कई निर्देश दिए।

लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करें

बैठक के दौरान चंद्रबाबू ने नगर प्रशासन, पंचायती राज, गृह एवं आबकारी विभागों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की समीक्षा की। विशाखापट्टनम तट के पास नाव दुर्घटना में मछुआरों के लापता होने की हालिया घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने विभिन्न विभागों की आपातकालीन प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के विकास और बेहतर प्रशासन के लिए राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही की कार्यप्रणाली समान रूप से प्रभावी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लोक शिकायत प्रणाली में लंबित आवेदनों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

तीन माह में यूएलबी क्षेत्रों से कचरा पूरी तरह हटाएं

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अगले तीन महीनों के भीतर शहरी स्थानीय निकायों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर कचरे का पूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गांजा की खेती और तस्करी के उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने को भी कहा।

उन्होंने पेयजल आपूर्ति, कचरा संग्रहण के लिए स्वच्छ रथ वाहनों की तैनाती तथा घर–घर कचरा संग्रहण जैसी व्यवस्थाओं के लिए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को एक माह के भीतर अवेयर 2.0 कार्यक्रम के परिणामों का विश्लेषण करने को कहा। मुख्यमंत्री ने दूरदराज और नेटवर्क–विहीन क्षेत्रों में मोबाइल टावर स्थापित कर पूरे राज्य में संचार नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।

पांच वर्षों में 20,000 स्टार्टअप और एक लाख रोजगार का लक्ष्य : मंत्री नारा लोकेश

(पेन पावर न्यूज):

अमरावती, ६ जुलाईः आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि राज्य अगले पांच वर्षों में 20,000 स्टार्टअप और एक लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार "एक परिवार दृ एक उद्यमी" की अवधारणा को साकार करने के लिए कार्य कर रही है। सोमवार को दक्षिण कोरिया में सियोल बिजनेस एजेंसी (एसबीए) द्वारा आयोजित कोरियाई स्टार्टअप संस्थापकों की गोलमेज बैठक में लोकेश ने कोरियाई स्टार्टअप्स को रतन टाटा इनोवेशन हब (आरटीआईएच) में अपनी उपस्थिति स्थापित करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश को भारत की एआई राजधानी बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार

लोकेश ने बताया कि रतन टाटा इनोवेशन हब का मुख्य केंद्र अमरावती में होगा, जबकि विशाखापट्टनम, विजयवाड़ा, तिरुपति, राजमुंदरी और अनंतपुर में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। आरटीआईएच अब तक 2,500 से अधिक स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान कर चुका है और 5,200 से अधिक उद्यमियों को नवाचार साझेदारियां उपलब्ध करा चुका है।

उन्होंने कहा कि सरकार स्टार्टअप्स को सीड फंडिंग, डीप–टेक अनुदान और निवेश सहायता उपलब्ध कराएगी। साथ ही सिडबी के सहयोग से डीप टेक एंजेल फंड स्थापित करने की योजना भी है।

भारतदृकोरिया स्टार्टअप कॉरिडोर का प्रस्ताव

लोकेश ने भारतदृकोरिया स्टार्टअप कॉरिडोर स्थापित करने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने का प्रस्ताव रखा और कोरियाई निवेशकों की सहायता हेतु विशेष "कोरिया डेस्क" स्थापित करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के स्टार्टअप्स को कोरियाई बाजार तक पहुंच मिलेगी, जबकि कोरियाई स्टार्टअप्स भारत में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। राज्य लॉजिस्टिक्स, फिनटेक, डीप–टेक और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में निवेश आमंत्रित कर रहा है।

अमरावती में क्वांटम और एआई इकोसिस्टम

मंत्री ने अमरावती में देश के पहले क्वांटम–एआई विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अमरावती क्वांटम वैली परियोजना में 133–क्यूबिट आईबीएम क्वांटम सिस्टम स्थापित किया जाएगा।

लोकेश ने कहा कि स्टार्टअप्स को बड़े पैमाने पर कंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मजबूत डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे आंध्र प्रदेश का नवाचार और प्रौद्योगिकी परिदृश्य और सशक्त होगा।

cPh dY;k.k ds fy, fjd,M ctV vkoVu % e=h lfork

(पेन पावर न्यूज):

अमरावती, ६ जुलाईः आंध्र प्रदेश की मंत्री सविता ने कहा कि गठबंधन सरकार ने पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण के लिए रिकॉर्ड बजट आवंटित किया है। सरकार ने अपने पहले तीन बजटों में क्रमशः ₹39,000 करोड़, ₹47,000 करोड़ और ₹51,000 करोड़ का प्रावधान किया है।

सोमवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि तीसरे बजट में बीसी कल्याण के लिए रिकॉर्ड ₹51,000 करोड़ आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एमजेपी गुरुकुल विद्यालयों के स्थायी भवनों के निर्माण के लिए एसएएससीआई निधि से ₹500 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। वर्तमान 109 गुरुकुल संस्थानों के अतिरिक्त राज्य में 10 नए बीसी गुरुकुल विद्यालय स्थापित किए जाएंगे।

मंत्री ने यह भी बताया कि बीसी छात्रों को नीट और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता के लिए टेकुलोडु और सिम्हाचलम में दो उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) स्थापित किए जाएंगे।

शिक्षा और छात्रावास सुविधाओं पर विशेष ध्यान

सविता ने कहा कि छह बालिका गुरुकुल विद्यालयों को जूनियर कॉलेजों में उन्नत किया जा रहा है। 62 एमजेपी गुरुकुल भवनों की मरम्मत ₹26.71 करोड़ की लागत से कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुकुल छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन, खेल सामग्री और ट्रैकसूट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शतरंज को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एपी चेस अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

राज्य के 998 बीसी छात्रावासों में रह रहे 85,000 विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। पिछले दो वर्षों में छात्रावासों की मरम्मत और आधारभूत सुविधाओं पर ₹80 करोड़ खर्च किए गए हैं। 772 छात्रावासों में आरओ जल संयंत्र तथा 642 छात्रावासों में इन्वर्टर लगाए गए हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के लिए सहायता

मंत्री ने बताया कि सिविल सेवा, डीएससी, ग्रुप–1 और ग्रुप–2 परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बीसी अभ्यर्थियों को निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। विशाखापट्टनम, अनंतपुर और तिरुपति में तीन नए बीसी स्टडी सर्किल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीसी लाभार्थियों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए 1,000 करोड़ की लागत से 'आदरणा 3.0' योजना लागू की जाएगी।

बीसी संरक्षण कानून और आरक्षण

सविता ने कहा कि पिछड़े वर्गों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए देश का पहला बीसी संरक्षण अधिनियम लाने की योजना बनाई जा रही है। स्थानीय निकायों में बीसी वर्ग को 34 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सभी जिला मुख्यालयों में बीसी भवनों का निर्माण किया जाएगा। पिछले दो वर्षों में बीसी कॉर्पोरेशन के माध्यम से 1.1768 करोड़ लाभार्थियों को 32,533.68 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

रायलसीमा विकास पर विशेष फोकस

सविता ने कहा कि "राइजिंग रायलसीमा" मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की प्रमुख विकास अवधारणा है। उनके नेतृत्व में रायलसीमा को बागवानी, सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग, रक्षा, पर्यटन और ड्रोन तकनीक का प्रमुख केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में आंध्र प्रदेश में आए कुल निवेश का लगभग एक–तिहाई, यानी ₹85,000 करोड़ से अधिक निवेश रायलसीमा क्षेत्र में आया है।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में तीन अतिरिक्त न्यायाधीशों ने ली शपथ

अमरावतीः आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में सोमवार को तीन नए अतिरिक्त न्यायाधीशों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति लिसा गिल ने उन्हें शपथ दिलाई। नवनियुक्त न्यायाधीशों कृ न्यायमूर्ति सुनीता गंधम, न्यायमूर्ति अलापति गिरिधर और न्यायमूर्ति पुरुषोत्तम कुमार चिंतलापुडी कृ ने उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला। इन नियुक्तियों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने आधिकारिक अधिसूचना जारी की थी। इन नियुक्तियों के साथ आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 29 से बढ़कर 32 हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समारोह के बाद मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति लिसा गिल ने नव नियुक्त अतिरिक्त न्यायाधीशों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

दलाई लामा विश्व को प्रेरित करते रहेंगे : मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

(पेन पावर न्यूज):

अमरावती, ६ जुलाईः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तिब्बती आध्यात्मिक गुरु परमपावन दलाई लामा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख और दीर्घायु की कामना की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए संदेश में मुख्यमंत्री ने दलाई लामा को शांति, करुणा और मानवता का प्रतीक बताते हुए वैश्विक शांति तथा मानवाधिकारों के लिए उनके योगदान की सराहना की।

चंद्रबाबू ने अपने संदेश में कहा, "दलाई लामा शांति, करुणा और मानवता के प्रतीक हैं। दशकों से वे दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करते आ रहे हैं। दया, ज्ञान और अहिंसा का उनका संदेश आज भी मानवता का मार्गदर्शन कर रहा है। वैश्विक शांति और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख और दीर्घायु की कामना करता हूं। वे आने वाले वर्षों में भी शांति और करुणा का संदेश फैलाते हुए मानवता की सेवा करते रहें।"

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने बाबू जगजीवन राम को सामाजिक न्याय, वंचित वर्गों के सशक्तिकरण और सभी के लिए समान अवसरों वाले समाज के निर्माण हेतु अपना जीवन समर्पित करने वाला महान नेता बताया।

राम मंदिर दान चोरी मामलाः ट्रस्ट की अहम बैठक आज, जांच तेज

अयोध्याः राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान की कथित चोरी के मामले के बीच सोमवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या मंदिर की दान–गणना प्रणाली के भीतर किसी संगठित नेटवर्क के माध्यम से नकदी की हेराफेरी की गई थी।

मणिराम दास छावनी में होने वाली इस बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर विचार किया जाएगा। साथ ही विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच प्रगति की समीक्षा तथा अंतिम रिपोर्ट आने तक मंदिर के दैनिक प्रशासन की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाए, इस पर भी निर्णय लिया जा सकता है। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के करने की संभावना है, जो हाल ही में लखनऊ में उपचार के बाद अयोध्या लौटे हैं।

यह मामला देश के सबसे प्रमुख धार्मिक संस्थानों में से एक को सार्वजनिक जांच के केंद्र में ले आया है। एसआईटी की प्रारंभिक जांच के आधार पर 25 जून को एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा, राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव तथा सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं। पुलिस अब तक आरोपियों के पास से लगभग 80 लाख रुपये बरामद कर चुकी है। जांचकर्ताओं को आशंका है कि गबन की कुल राशि इससे कहीं अधिक हो सकती है। जांच के दौरान सामने आए कुछ अनुमानों के अनुसार, श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ वाले दिनों में प्रतिदिन 6 से 8 लाख रुपये तक की रकम निकाली गई हो सकती है। जांच में तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के सीसीटीवी फुटेज महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में सामने आए हैं। कई सप्ताह की रिकॉर्डिंग की समीक्षा में कथित तौर पर कुछ कर्मचारियों को नोटों की गड्डियां निकालकर कपड़ों और मोजों में छिपाते हुए देखा गया है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि दान–गणना कक्ष में कर्मचारियों की नियुक्ति कैसे हुई, उनकी सिफारिश किसने की और क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी।

एफआईआर दर्ज होने और गिरफ्तारियों के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि दोनों ने किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष संलिप्तता से इनकार किया है। ट्रस्ट ने अभी तक उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं किए हैं। ट्रस्ट के भीतर एक वर्ग संस्था की साख बनाए रखने के लिए इस्तीफे स्वीकार करने के पक्ष में है, जबकि दूसरा वर्ग जुलाई के मध्य तक अपेक्षित एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहता है।

जांच दल दान पेटियों से नकदी और कीमती वस्तुओं को निकालने से लेकर उनकी गणना, रिकॉर्डिंग और बैंक में जमा करने तक की पूरी प्रक्रिया की जांच कर रहा है। वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों, दान–गणना पर्यवेक्षकों, संविदा कर्मचारियों तथा बैंकिंग प्रक्रिया से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। कुछ आरोपियों की संपत्तियों की जांच में उनकी आय की तुलना में अधिक मूल्य के मकान, वाहन और वित्तीय लेनदेन भी जांच के दायरे में आए हैं।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने स्पष्ट किया है कि उनकी भूमिका दैनिक नकदी गणना और प्रबंधन की प्रत्यक्ष निगरानी से संबंधित नहीं थी। इस बीच ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया है कि ऑडिट रिकॉर्ड सुरक्षित हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

नई सुरक्षा व्यवस्थाओं के तहत दान–गणना कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाली वर्दी, ड्यूटी से पहले और बाद में तलाशी, निगरानी में विश्राम अवधि, सीसीटीवी कवरेज का विस्तार तथा गणना केंद्र में कड़े प्रवेश नियंत्रण जैसे कदम लागू किए जा रहे हैं।

संपादकीय

भारत ने सबसे बड़े ऊर्जा संकट का कैसे सामना किया

जब फरवरी के अंत में होर्मुज की खाड़ी बंद हुई, तो भारत सरकार ने एक प्राथमिकता का चयन किया - हमारे देश के नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर समुदायों, को अभूतपूर्व आपूर्ति और मूल्य व्यवधानों से सुरक्षित रखना। इस प्राथमिकता के आस-पास ही अन्य प्रयास किये जाने थे। यह भावना खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की थी और यह आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा व्यवधान के लगभग चार महीनों तक बनी रही। तथ्यों के पता चलने से पहले ही भारत को लेकर निर्णय किये जा रहे थेः तर्क यह था कि एक ऐसा देश, जो अपने कच्चे तेल का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, होर्मुज के बंद होने से संभल नहीं पायेगा, जिससे होकर दुनिया का 20-30 प्रतिशत से अधिक हाइड्रोकार्बन गुजरता है। पेट्रोल पंप में कुछ ही दिनों में तेल खत्म हो जाएगा, कीमतें आसमान छुएंगी (जैसे कि कई अन्य देशों में हुआ) और अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। आज स्टॉक भरे हुए हैं, पंप खुले हैं, और भारतीय उपभोक्ता ने इस संकट के दौरान ऊर्जा के लिए दुनिया के किसी भी अन्य उपभोक्ता की तुलना में कम भुगतान किया है। यह स्पष्ट करना जरूरी है कि इसे कैसे किया गया और इससे गलत आख्यानों को जवाब भी मिल जाएगा। 28 फरवरी को ईरान पर हमलों से वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर सबसे महत्वपूर्ण मार्ग-खंड बंद हो गया और एलपीजी आपूर्ति ने भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती पेश की, क्योंकि दुनिया में केवल अमेरिका और मध्य पूर्व ही प्रमुख एलपीजी निर्यातक हैं। भारत की लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी पहले मध्य पूर्व से आती थी और यह आपूर्ति तुरंत लगभग शून्य हो गई। फिर आपूर्ति और मांग, दोनों को लेकर एक युद्धकक्ष ऑपरेशन शुरू हुआ, हर कार्गो, हर रिफाइनरी, हर बॉटलिंग प्लांट की निगरानी की गयी, ताकि पूरे देश के सभी रसोईघरों में खाना पकाने के लिए आग जलती रहे। आपूर्ति के संबंध में, 8 मार्च को एलपीजी नियंत्रण आदेश पारित किया गया, जिसके तहत सभी रिफाइनरियों को अपना एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने के लिए सभी सी3-सी4 कार्बन स्ट्रीम को बदलने का निर्देश दिया गया। जो रिफाइनरी कभी कुकिंग गैस नहीं बनाती थीं, बदलाव किया गया और उत्पादन 35 टीएमटी प्रति दिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रति दिन हो गया। युद्ध की सर्वाधिक विभीषिका के दौरान, जब होर्मुज से कोई भी जहाज बाहर नहीं निकल रहा था, तब 12 से अधिक भारतीय एलपीजी जहाजें चुपचाप होर्मुज से बिना कोई टोल दिए निकाल दी गई - किसी भी देश के लिए यह सबसे बड़ी संख्या थी। कार्गो सुरक्षित किए गए तथा यानबू और फुजैरा बंदरगाहों से लाल सागर रास्ते के जरिए कार्गो जहाज-से-जहाज स्थानांतरित किये गये। अमेरिका से कार्गो को सुरक्षित करने की स्थिति में भी खाली जहाज भेजे गए, नए माल लेने के लिए जहाज हॉर्मुज के अंदर भेजे गए तथा अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे कई देशों के साथ नई आपूर्ति व्यवस्था शुरू की गयी। मैंने हर उस देश के ऊर्जा मंत्री से कई बार बात की, जो एलपीजी निर्यात कर सकता था। मैं यह बात कहना चाहता हूँ कि खाड़ी क्षेत्र के अंदर या बाहर का हर उत्पादक, जिसके साथ हमने व्यापार किया, हमारे साथ खड़ा रहा। हालांकि, आपूर्ति प्रयास का केवल आधा हिस्सा था, क्योंकि मांग को भी प्राथमिकता देना जरूरी था। घरों में जाने वाला रसोई गैस पूरा सुरक्षित रखा गया और इस कीमती आपूर्ति को काले बाज़ारियों से बचाने के लिए डिजिटल सत्यापन कोड अनिवार्य किया गया। हर नागरिक को उनके ज़रूरत के समय सिलेंडर मिलें, लेकिन कोई भी सिलेंडर जमा न कर सके, इसके लिए 25 दिन और 45 दिन की सीमा लगाई गई। चूँकि, वाणिज्यिक सिलेंडरों को नियंत्रित नहीं किया जाता और कोई भी खरीदार उपलब्ध पूरी आपूर्ति एक साथ खरीद सकता था, इसलिए इन्हें उद्योग संघों और राज्य नागरिक आपूर्ति विभागों के माध्यम से भेजा गया, ताकि हर किसी को पर्याप्त मिले और कोई भी जमा न कर सके। उद्योग को पाइप प्राकृतिक गैस अपनाने के लिए कहा गया, बड़े रसोईघरों और प्रतिष्ठानों को अन्य ईंधनों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जहाँ संभव था और घरेलू पाइप गैस और सीएनजी को बिना कटौती वाले वर्ग में रखा गया। सरकार के सभी विभागों ने मिलकर नगर निगम की शीघ्र मंजूरी के ज़रिए पाइप गैस कनेक्शनों की ओर बदलाव को संभव बनाया। कई उपभोक्ता, जिनमें प्रवासी भी शामिल थे, एजेंट से सिलेंडर खरीदते थे, जो अब डीएसी की शर्तों के कारण सिलेंडर नहीं ला पा रहे थे, इसलिए पूरे देश में 5 किलो का मुफ्त व्यापार सिलेंडर उपलब्ध कराया गया, जब तक इसका इस्तेमाल लगभग दोगुना नहीं हो गया। लोगों में भय पैदा करने वाले और खराब स्थिति बताने वाले झूठी अफवाहें फैलाने लगे और झूठे वीडियो शेयर करने लगे ताकि कमी, घबराहट और अराजकता का माहौल पैदा किया जा सके, जबकि सरकार हर दिन युद्धकक्ष मोड में कई क्रांतिकारी कदम उठा रही थी, ताकि देश में किसी भी जगह आपूर्ति में बाधा न आये। इस सब के पीछे प्रधानमंत्री मोदी का दृढ़ संकल्प था - भारतीय नागरिक को सुरक्षा दी जायेगी चाहे खजाने पर कितना भी बोझ क्यों न पड़े –रूस-यूक्रेन संघर्ष और जीवन को संकट में डालने वाली कोविड चुनौती से पैदा हुए ऊर्जा संकट के दौरान यही 'भारत की राह' रही है। फरवरी और जून के बीच, रसोई गैस के अंतरराष्ट्रीय मानक, सऊदी सी पी, में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और फिर भी, उस आयात दर पर 1,600 से अधिक की कीमत वाला सिलेन्डर उज्ज्वला घर तक 642 में पहुँचा। मोदी सरकार हर उज्ज्वला सिलेंडर पर लगभग 900 का और हर अन्य घर के लिए जाने वाले सिलेंडर पर करीब 600 का नुकसान उठाती है, आज सभी भारतीय परिवार अपने रसोई गैस के लिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, स्पेन या फ्रांस के घरों की तुलना में बहुत कम भुगतान कर रहे हैं। मार्च में केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 10 प्रति लीटर की कटौती का साहसिक निर्णय लिया गया, जिससे कीमत-वृद्धि में कमी आयी, जबकि कच्चे तेल की कीमत लगभग दोगुनी हो गयी थी और सरकारी तेल कंपनियों ने इस तिमाही में हर दिन 500 से 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठाया। इसी अवधि में, अमेरिका में पेट्रोल की कीमत 40 प्रतिशत से अधिक और ब्रिटेन में करीब 20 प्रतिशत बढ़ी, जबकि यूरोप के बड़े हिस्से में भी दहाई अंक की वृद्धि हुई, लेकिन भारत में कीमत में लगभग 7 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई। एक और कहानी यह थी कि पूरी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी, विदेशी भंडार ख़त्म हो जाएंगे और हमारी आर्थिक संभावनाएँ धुंधली हो जाएंगी। भंडार खुद जवाब देते हैं, जो लगभग 690 बिलियन डॉलर के करीब है। यह संघर्ष शुरू होने के सप्ताह में रिकॉर्ड किये गये उच्चतम दर से केवल थोडा कम है और भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह कहा गया कि भारत के पास केवल 8 या 9 दिन का भंडार है और उसके पास ज्यादा भंडार रखने की वास्तविक क्षमता नहीं है, यह दावा 1.5 बिलियन लोगों वाली बड़ी ऊर्जा अर्थव्यवस्था के काम करने के तरीके को गलत रूप में समझता है। आप किसी देश को कुछ गुफाओं से नहीं चला सकते, क्योंकि जमीन के भीतर रखी गई ऊर्जा से कुछ भी कमाई नहीं होती और उसे रखने में बहुत ज़्यादा खर्च भी आता है। इसके बजाय आप इसे इम्पोर्ट टर्मिनल, डिपो, पाइपलाइन, रिफाइनरी और पूरे देश में फैले स्टोरेज के सिस्टम के जरिए चलाते हैं, और आज भारत के पास 24 रिफाइनरी हैं, 47,000 किलोमीटर से ज्यादा तेल और गैस की पाइपलाइनें हैं, और 1 लाख से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं जो प्रतिदिन करीब 8 करोड़ लोगों की सेवा करते हैं। उस प्रणाली की वास्तविकता की जांच, महाप्रलय का भय दिखाने वाले किसी भविष्यवक्ता की स्लाइड पर दिखाए गए आंकड़े से नहीं होती। असली जांच है - आधुनिक समय के सबसे बड़े ऊर्जा संकट के लगभग चार महीने गुजर जाने के बाद, क्या देश को अपने लोगों पर राशनिंग लागू करनी पड़ी, क्या ईंधन सिर्फ सम-विषम नंबर प्लेट्स के हिसाब से देना पड़ा, क्या घर में ऑफिस बनाना पड़ा या क्या हर दिन 5 बजे अपने पंप बंद करने पड़े। भारत को इनमें से कोई काम नहीं करना पड़ा। यह सब इसलिए संभव हुआ, क्योंकि पिछले कई सालों में इसकी तैयारी की गई थी। हमारे कच्चे तेल के बास्केट को 27 देशों से बढ़ाकर 41 करना, हमारे आयात टर्मिनल को दुगना करना, और प्रधानमंत्री मोदी के तहत एक दशक में बनाए गए पाइपलाइन और भंडार, होर्मुज के बंद होने पर ये सभी चीजें उपयोगी साबित हुई; यही वजह थी कि रोशनी जलती रही।

क्या नितिन गडकरी की ई20 नीति की वजह से खराब हो रही हैं गाड़ियां?

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पर इन दिनों चौतरफा हमले हो रहे हैं। कभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ई20 पेट्रोल को वाहनों की खराबी का कारण बताया जा रहा है, तो कभी सड़कों पर उतरने की चेतावनी देकर केंद्र सरकार की एथनॉल नीति के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जो लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम बताते रहे हैं, अब उसी नीति को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में हैं। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। मनीष का दावा है कि उनकी दो महीने पुरानी और लगभग 12 हजार किलोमीटर चली गाड़ी का इंजन अचानक खराब हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्यूल टैंक से निकाले गए पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल और अशुद्धियां मिलीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए और बोले कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदी गई गाड़ी इतनी जल्दी खराब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। देखा जाये तो मनीष कश्यप अकेले नहीं हैं। देशभर में हजारों वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन परफॉर्मेंस कम होने और वाहनों में तकनीकी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। कई वीडियो में गुलाबी रंग का पेट्रोल, टंकी में पानी जैसी परत और अन्य अशुद्धियां दिखाकर दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा तय सीमा से अधिक है। हालांकि सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय इन दावों को खारिज कर रहे हैं। इस विवाद ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप भी ले लिया है। राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर मंतर पर ई20 नीति के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। 'टीम भारत अगेंस्ट द एथनॉल स्कैम' के बैनर तले प्रस्तावित इस प्रदर्शन को एथनॉल नीति के खिलाफ पहला बड़ा सार्वजनिक आंदोलन बताया जा रहा है। पूनावाला का कहना है कि लोग एथनॉल नीति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसकी जल्दबाजी में की गई क्रियान्वयन प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को विकल्प न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो कुछ लोग नितिन गडकरी के आवास के बाहर धरने पर बैठ सकते हैं। देखा जाये तो विवाद केवल वाहन खराबी तक सीमित नहीं है। एक उद्योगपति ने भी सरकार की ई20 नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जनता के सामने इस योजना को पूरी तरह सफल बता रही है, लेकिन अदालत में इसे अभी भी 'चल रहा प्रयोग' बताया गया। हालांकि बाद में अटॉर्नी जनरल के

कार्यालय ने इस दावे को गलत बताया। वहीं उक्त उद्योगपति का कहना है कि असली चिंता उन उद्योगों और निवेशकों की है जिन्होंने सरकार की नीति पर भरोसा करके एथनॉल संयंत्रों में अरबों रुपये का निवेश किया। यदि एथनॉल की खरीद और मांग ही निश्चित नहीं है, तो निवेशकों को किस भरोसे निवेश के लिए प्रेरित किया गया। हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा था, जिसमें एथनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने की बात कही गई थी। इस सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि सरकार द्वारा एथनॉल खरीद की बाध्यता वास्तव में कितनी मजबूत है। आलोचकों का कहना है कि यदि खरीद केवल 'सर्वश्रेष्ठ प्रयास' के आधार पर होगी तो उद्योगों की वित्तीय स्थिरता पर खतरा पैदा हो सकता है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने एथनॉल नीति के आर्थिक और कृषि प्रभावों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ई20 कार्यक्रम भारत को विदेशी मक्के और उससे बने उत्पादों पर अधिक निर्भर बना सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि यह नीति अब किसान केंद्रित कम और आयात आधारित ढांचे जैसी अधिक दिखाई देने लगी है। उन्होंने सरकार से ई20 की अनिवार्यता पर पुनर्विचार कर ई5 या ई10 जैसे विकल्प फिर से उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं देशी और विदेशी वाहन निर्माता कंपनियों ने ई20 पेट्रोल को लेकर मिश्रित लेकिन संतुलित रुख अपनाया है। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा, होंडा और किआ जैसी कंपनियों ने कहा है कि अप्रैल 2023 के बाद बने अधिकांश नए वाहन ई20 अनुकूल बनाए जा चुके हैं और उनमें इस ईंधन के इस्तेमाल से कोई बड़ा सुरक्षा खतरा नहीं है। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने भी माना है कि ई20 से माइलेज में लगभग 2 से 4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे स्थायी इंजन क्षति का कोई प्रमाण नहीं मिला है। वहीं महिंद्रा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि ई20 सुरक्षित तो है, लेकिन इससे परफॉर्मेंस और माइलेज पर असर पड़ सकता है। टोयोटा सहित कई कंपनियों ने अपने नए पेट्रोल मॉडलों को ई20 अनुकूल घोषित किया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों और कंपनियों ने पुराने वाहनों में सावधानी बरतने की सलाह दी है। दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार इस योजना का बचाव कर रही है। सरकार का दावा है कि भारत ने निर्धारित समय से पहले दिसंबर 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम से देश को 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान हुआ और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भारी कमी आई। सरकार का कहना है कि इससे 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प तैयार हुआ। सरकार का यह भी कहना है कि वाहन कंपनियों और सियाम के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही ई20 लागू किया गया और कई निर्माता वर्ष 2009 से ही ई20 अनुकूल इंजन विकसित कर रहे हैं। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी माइलेज घटने के दावों को मामूली बताया है। उनका कहना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन से इंजन की नॉकिंग कम होती है और वाहन की गति क्षमता बेहतर होती है। वहीं नितिन गडकरी ने एथनॉल विरोधी प्रचार को 'पेड कैंपेन' करार दिया है। उनका आरोप है कि पेट्रोलियम लॉबी भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने से परेशान है और इसलिए दुष्प्रचार कर रही है। गडकरी ने यह चुनौती भी दी कि दुनिया में कोई एक उदाहरण दिखाया जाए जहां ई20 पेट्रोल से वाहन स्थायी रूप से खराब हुए हों। बहरहाल, फिलहाल एथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो। दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर

प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं। भूकंप संभावित क्षेत्रों में ज़ोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं ज़ोन-5 में ज़्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाक़ा सीस्मिक ज़ोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज़ रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के क़रीब 59% भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक ज़ोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज़्यादा बताते हैं। ग़ौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक ज़ोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का ख़मियाज़ा भुगतना पड़ सकता है। नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर ख़तरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज़्यादातर शहर हिमालय ज़ोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज़्यादा ख़तरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के ज़ोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं। इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो। भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले ज़ोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग ज़ोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीक़े से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हज़ार लोग मारे गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ़ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी।

आज का राशि फल

मेष राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशिः आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

दूरदराज के गांवों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पहल

जन शिकायत निवारण शिविर में 170 तथा राजस्व क्लिनिक में 30 आवेदन प्राप्त जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार

स्टाफ रिपोर्टर, पेन पावर, राम्पचोडावरम, ६ जुलाईः पोलवरम जिले के दूरदराज एवं आदिवासी क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन विशेष कदम उठा रहा है। जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि जनता से प्राप्त आवेदनों की जांच कर जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव है, उनका तुरंत निस्तारण किया जा रहा है तथा शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजकर समाधान की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। सोमवार को राम्पचोडावरम स्थित आईटीडीए सभागार में आयोजित जन शिकायत निवारण शिविर (ग्रीवेंस) एवं राजस्व क्लिनिक में जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार, संयुक्त कलेक्टर एस. प्रशांत कुमार, जिला राजस्व अधिकारी पी. अंबेडकर तथा आरडीओ स्वाति ने लोगों से आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर कलेक्टर ने बताया कि इस सप्ताह ग्रीवेंस में 170 तथा राजस्व क्लिनिक में 30 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

प्रमुख आवेदनों में मारेडुमिल्ली मंडल के गुर्रमामिडी से वाडापल्ली गांव तक 12 किलोमीटर लंबी बीटी सड़क निर्माण की मांग, जीएम वलसा गांव में 84 एकड़ में आदिवासियों द्वारा लगाए गए जामायल (मेलिया डुबिया) वृक्षों की तीसरी कटाई की अनुमति, चिंतूर मंडल के कोत्तापल्ली प्राथमिक विद्यालय के लिए भूमि दान देने वाले परिवार को हेल्पर पद प्रदान करने की मांग, मल्लवरमदृनीलवरम से मारेडुमिल्ली गालिगोपुरम तक मेटल रोड निर्माण तथा राम्पचोडावरम मंडल के पेड्डा कोरुमिल्ली गांव में भूमि अभिलेखों के संशोधन से संबंधित आवेदन शामिल हैं।

कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी आवेदनों की शीघ्र जांच कर सरकारी नियमों के अनुसार उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, आईटीडीए अधिकारी, अभियंता, तहसीलदार, बैंक प्रतिनिधि तथा अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पारदर्शी ढंग से किया जाएः निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव

अनकापल्ली, पेन पावर ब्यूरो, ६ जुलाईः भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के प्रधान सचिव एस. बी. जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)–2026 का कार्य पूर्ण पारदर्शिता, सटीकता और निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

सोमवार को अनकापल्ली कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विजय कृष्णन तथा संयुक्त कलेक्टर शौर्य मान पटेल के साथ कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए जोशी ने कहा कि सभी स्तरों पर चुनाव अधिकारियों के समन्वित प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने निर्देश दिया कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) स्वयं मतदाताओं के विवरण का सत्यापन करें और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के हस्तक्षेप के बिना नामांकन प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक आवेदन का समुचित सत्यापन किया जाए, ताकि अंतिम निर्णय लेने से पहले यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी वास्तविक मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

जिला कलेक्टर विजय कृष्णन ने बैठक को बताया कि जिला प्रशासन निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार पुनरीक्षण कार्यक्रम को सख्ती से लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि मंडल स्तरीय नियंत्रण कक्षों की स्थापना, दैनिक निगरानी, डिजिटलीकरण लक्ष्यों तथा लंबित कार्यों की विशेष मॉनिटरिंग के कारण प्रक्रिया में तेजी आई है और शेष कार्य भी निर्धारित समय के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जिले की छह विधानसभा सीटों के लिए छह निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 29 सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), नौ अतिरिक्त एईआरओ, 160 पर्यवेक्षक तथा 1,529 बीएलओ नियुक्त किए गए हैं। जिले के कुल 13,02,389 मतदाताओं में से 11,64,089 मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर ली गई है। इसके अलावा 107 नए मतदान केंद्रों की स्थापना, छह मतदान केंद्रों के स्थानांतरण तथा 55 मतदान केंद्रों के नाम परिवर्तन के प्रस्ताव भी भेजे गए हैं। समीक्षा बैठक में संयुक्त कलेक्टर शौर्य मान पटेल, प्रभारी जिला राजस्व अधिकारी वाई. श्रीनिवास राव, ईआरओ, एईआरओ तथा अन्य चुनाव अधिकारी उपस्थित थे।

विशाखापट्टनम में दो दिवसीय विशेष अभियान से एसआईआर को मिली गति

विशाखापट्टनम, ६ जुलाई (पेन पावर ब्यूरो): विशाखापट्टनम जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को 4 और 5 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय विशेष अभियान के बाद उल्लेखनीय गति मिली है। जिला प्रशासन निर्धारित समय–सीमा के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रयासों को और तेज कर रहा है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले के कुल 20,23,009 मतदाताओं में से 19,88,403 मतदाताओं को गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) वितरित किए जा चुके हैं, जिससे 98.29 प्रतिशत कवरेज हासिल हुई है। अब तक 9,67,081 प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है, जिससे कुल डिजिटलीकरण प्रगति 47.80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। अधिकारियों ने इस प्रगति का श्रेय बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), राजस्व विभाग और जमीनी स्तर पर कार्यरत विशेष अधिकारियों के समन्वित प्रयासों को दिया है। चल रहे अभियान की समीक्षा के लिए जिला कलेक्टर एम. अभिषेक किशोर ने रविवार को मधुरवाड़ा स्थित वाम्बे कॉलोनी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने घर–घर जाकर गणना प्रपत्रों के वितरण, मतदाता विवरणों के सत्यापन और डिजिटलीकरण कार्यों की समीक्षा की तथा कार्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर बीएलओ से बातचीत की।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक पात्र मतदाता को बिना किसी असुविधा के आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उन्होंने गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान भीमिली आरडीओ संगीत मधुर, जीवीएमसी के जोनल आयुक्त तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लापता मछुआरों की तलाश तेज, एक मछुआरे को सुरक्षित बचाया गया

विशाखापट्टनम, ६ जुलाई (पेन पावर ब्यूरो): विशाखापट्टनम तट के पास लापता मछुआरों की तलाश के लिए भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) और भारतीय नौसेना द्वारा बड़े पैमाने पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। समुद्र में प्रतिकूल मौसम और ऊंची लहरों के बावजूद जहाजों और हेलीकॉप्टरों की सहायता से अभियान लगातार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही भारतीय तटरक्षक बल ने आईसीजीएस कनक लता बरुआ और आईसीजीएस वीरा के साथ तीन हेलीकॉप्टरों को व्यापक हवाई एवं समुद्री खोज अभियान के लिए तैनात किया। इस अभियान की लगातार निगरानी विशाखापट्टनम स्थित क्षेत्रीय संचालन केंद्र (आरओसी) द्वारा की जा रही है।

भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसैनिक कमान ने भी बचाव अभियान में भाग लेते हुए दो युद्धपोत, एक सी किंग हेलीकॉप्टर तथा एक एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) तैनात किया है। अधिकारियों ने बताया कि तेज हवाओं और ऊंची लहरों जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद सभी लापता मछुआरों का पता लगने तक खोज अभियान जारी रहेगा। ताजा घटनाक्रम में लापता मछुआरों में से एक, कर्री चिन्ना, को सुरक्षित बचा लिया गया। नौसेना के हेलीकॉप्टर ने रविवार शाम लगभग 7 बजे उन्हें बचाकर आईएनएस डेगा पहुंचाया। चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद उनकी हालत स्थिर बताई गई है। शेष लापता मछुआरों की तलाश के लिए खोज एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

मीकोसम' जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

ओंगोल, ६ जुलाई (पेन पावर ब्यूरो): प्रकाशम जिला कलेक्टर पी. राजाबाबू ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 'मीकोसम' कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सोमवार को प्रकाशम भवन में आयोजित जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर कल्पना कुमारी, जिला राजस्व अधिकारी (डीआरओ) पी. वेंकटरमण तथा अन्य अधिकारियों के साथ जनता से 254 आवेदन प्राप्त किए। उन्होंने संबंधित विभागों को सभी आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई करने और निर्धारित समय–सीमा के भीतर उचित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी केवल मैदानी कर्मचारियों की रिपोर्टों पर निर्भर न रहें, बल्कि शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए स्वयं मौके पर जाकर मामलों का निरीक्षण करें। उन्होंने अधिकारियों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की भी लगातार निगरानी करने को कहा। शिकायतों के निस्तारण की निगरानी और बेहतर समन्वय के लिए जिला प्रशासन प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त करेगा। राजाबाबू ने कहा कि सरकार 'मीकोसम' के तहत प्राप्त शिकायतों के शीघ्र समाधान और आईवीआरएस प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक जन प्रतिक्रिया बढ़ाने को विशेष महत्व दे रही है। उन्होंने अधिकारियों से अधिक प्रतिबद्धता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशेष उप जिला कलेक्टर श्रीधर रेड्डी, डीपीओ अनुपमा, बीसी कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक वेंकटेश्वर राव तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अनकापल्ली में ईसी के प्रधान सचिव ने की एसआईआर–2026 प्रक्रिया की समीक्षा

ब्यूरो रिपोर्टर, पेन पावर, अनकापल्ली, ६ जुलाईः भारत निर्वाचन आयोग (म्ब्) के प्रधान सचिव एस.बी. जोशी ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्त्)–2026 की प्रक्रिया को पारदर्शिता, सटीकता और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। जिला कलेक्टर विजय कृष्णन और संयुक्त कलेक्टर सौर्या मान पटेल के साथ जोशी ने मुनगापाका गांव स्थित सचिवालय–2 के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्र संख्या–165 का दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घर–घर सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए गणना प्रपत्रों (म्दनउमतंजपवद थ्वतउे) की समीक्षा की, सत्यापन एवं डिजिटलीकरण प्रक्रिया का परीक्षण किया तथा डेटा एंट्री कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक चरण में त्रुटिरहित सत्यापन सुनिश्चित किया जाए और प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सही ढंग से मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

जिला कलेक्टर विजय कृष्णन ने निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव को अनकापल्ली जिले में चल रहे एसआईआर–2026 कार्यक्रम की प्रगति तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। इस निरीक्षण के दौरान आरडीओ आयशा, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, चुनाव अधिकारी, सचिवालय कर्मचारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम नरेंद्र मोदी के हमशक्ल को ईशा समझ बैठीं असली

एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम ईशा मालवीय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में वह एक पल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हमशक्ल को पीएम मोदी समझ बैठीं। जिसके बाद वहां मौजूद पैपराजी और दूसरे लोग हंसने लगे।

दरअसल, ईशा ब्राइट एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स 2026 के रेड कार्पेट पर पहुंची थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात पीएम मोदी के हमशक्ल से हुई। उन्हें देखते ही ईशा चौंक गईं और मुस्कुराते हुए कहा, ओह, मोदी जी! हालांकि, बाद में उन्हें रियलाइज हुआ कि वे पीएम मोदी के हमशक्ल हैं। इसके बाद उन्होंने हमशक्ल से हाथ मिलाया और कैमरे की ओर देखकर कहा, गाइज, हमारे साथ मोदी जी हैं।

विकास महांते कौन हैं?

ईशा ने पीएम मोदी के जिन हमशक्ल से मुलाकात की, वह विकास महांते हैं। विकास महांते मुंबई के जाने-माने बिजनेसमैन, एक्टर और समाजसेवी हैं। उनकी शक्ल, दाढ़ी और बोलने का अंदाज पीएम मोदी से काफी मिलता-जुलता है, जिसकी वजह से लोग उन्हें देखते ही भ्रमित हो जाते हैं। विकास कई चुनावों के दौरान बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के प्रचार कार्यक्रमों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब समेत कई राज्यों में चुनावी रैलियों में हिस्सा लिया है।

एक्टिंग की दुनिया में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। वह फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' में कैमियो रोल कर चुके हैं। इसके अलावा 'मोदी काका का गांव', 'द साबरमती रिपोर्ट' और 'एक नया सवेरा' जैसी फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में भी काम कर चुके हैं।

तृषा कृष्णन होम डिलीवरी पर भड़कीं

बोलीं– लगातार तीसरी बार शरीर की बदबू वाले कपड़े मिले, पैक करने से पहले सूंघकर जरूर देखें

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने अपैरल ब्रांड जारा की होम डिलीवरी सर्विस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर दावा किया कि लगातार तीसरी बार उन्हें ऐसे कपड़े मिले, जिनसे शरीर की बदबू आ रही थी।

तृषा ने अपनी पोस्ट में लिखा, प्रिय @zara @zaracare, एक छोटी-सी रिक्वेस्ट है। अगली बार होम डिलीवरी भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित करें कि कपड़ों से शरीर की बदबू न आ रही हो। लगातार तीसरी बार ऐसा हुआ है। यह बहुत बुरा एक्सपीरियंस है। पैक करने से पहले कम से कम कपड़ों को सूंघकर देख लें।

वर्कफ्रंट की बात करें तो तृषा कृष्णन हाल ही में फिल्म 'करुप्पु' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ सूर्या ने अभिनय किया है। फिल्म 'करुप्पु' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। फिल्म ने दुनिया भर में करीब 309 करोड़ रुपए की कमाई की। फिल्म में आरजे बालाजी ने विलेन की भूमिका निभाई, जबकि इंद्रंस, अनाघा माया रवि, नैट्टी सुब्रमण्यम, शिवादा, स्वासिका और सुप्रीत रेड्डी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए। वहीं, अफेयर की खबरों के बीच एक्ट्रेस तृषा ने मुख्यमंत्री विजय के 52वें जन्मदिन के एक दिन बाद सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी थी। उन्होंने केक के साथ दोनों की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, उस इंसान को जन्मदिन मुबारक, जो हर चीज को मायने देता है। 10 मई को तृषा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुई थीं। वहीं, 4 मई को तमिलनाडु चुनाव रिजल्ट के दिन तृषा विजय के घर भी पहुंची थीं।

उर्वशी ढोलकिया के बेटे की कार पर गिरा पेड़

मुंबई में भारी बारिश के बीच बाल–बाल बचे क्षितिज

मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच टीवी एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया के बेटे और एक्टर क्षितिज ढोलकिया हाल ही में एक हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए।

भारी बारिश के दौरान उनकी पार्किंग में खड़ी कार पर अचानक एक बड़ा पेड़ गिर पड़ा, जिससे कार को काफी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय क्षितिज कार के अंदर मौजूद नहीं थे और किसी को चोट नहीं आई। घटना के बाद क्षितिज ने सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो शेयर किए, जिनमें उनकी कार पेड़ के नीचे दबी हुई दिखाई दे रही है। वीडियो में फायर ब्रिगेड और अन्य अधिकारी पेड़ हटाने की कोशिश करते नजर आए।

क्षितिज ने बताया कि उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने मुंबई पुलिस और फायर ब्रिगेड का आभार जताते हुए लिखा कि यह घटना याद दिलाती है कि जिंदगी कितनी अनप्रेडिक्टेबल हो सकती है। उन्होंने कहा कि वह खुद को खुशकिस्मत मानते हैं क्योंकि हादसे के समय वह कार में नहीं थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो क्षितिज ढोलकिया ने एकता कपूर के शो 'नागिन 7' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। एक्टिंग से पहले वह फिल्म इंडस्ट्री में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं और 'हमशकल्स' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी फिल्मों की टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

मातृभूमि' पर सेंसर बोर्ड ने रोक नहीं लगाई

सलमान खान फिल्म्स ने सर्टिफिकेशन रुकी होने की खबरों को बताया बेबुनियाद

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर चल रही खबरों पर सफाई दी। प्रोडक्शन हाउस ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि फिल्म की सीबीएफसी सर्टिफिकेशन प्रक्रिया रुकी होने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं।

बयान में कहा गया कि फिल्म को अभी तक सेंसर बोर्ड के पास सर्टिफिकेशन के लिए भेजा ही नहीं गया। इसलिए इस तरह की रिपोर्ट्स पर भरोसा न करें। सलमान खान फिल्म्स ने मीडिया और लोगों से अपील की कि बिना पुष्टि की जानकारी न फैलाएं। फिल्म से जुड़े सभी आधिकारिक अपडेट केवल उनके ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर ही शेयर किए जाएंगे। दरअसल, हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म 'मातृभूमि' को सर्टिफिकेट देने पर फिलहाल रोक लगा दी है।

फिल्म 'मातृभूमि' साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प पर आधारित है। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था। फिल्म को पहले 17 अप्रैल को ईद के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसकी रिलीज डेट टल गई।

इस फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है और इसके डायरेक्टर अपूर्व लाखिया हैं। फिल्म में सलमान खान के साथ एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह, अभिलाष चौधरी और अंकुर भाटिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है।

फिल्म 'मातृभूमि' का टीजर 27 दिसंबर 2025 को सलमान खान के 60वें जन्मदिन पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म में सलमान खान 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। कर्नल संतोष बाबू ने ही गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प के दौरान भारतीय टुकड़ी का नेतृत्व किया था। इस झड़प में वे शहीद हो गए थे।

रवीना टंडन ने 'वेलकम टू द जंगल' के निर्देशक को सराहा

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में रवीना टंडन और अक्षय कुमार ने 22 साल बाद साथ काम किया है। बता दें कि एक दौर था जब रवीना टंडन और अक्षय कुमार रिलेशनशिप में थे, फिर इनका ब्रेकअप हो गया। दोनों अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए। अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना और रवीना ने अनिल थडानी से शादी की। एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ काम करने का अनुभव रवीना के लिए कैसा रहा? अहमद खान के निर्देशन को वह कैसे देखती हैं? और शूटिंग का एक्सपीरियंस उनके लिए कैसा था? हालिया के एक इंटरव्यू में रवीना ने यह बातें साझा की हैं।

आईएएनएस से की गई हालिया बातचीत में रवीना टंडन ने फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग एक्सपीरियंस के बारे में कहा, 'फिल्म में काम करने वाले ज्यादातर एक्टर्स के साथ मैंने काम किया। वे मेरे पुराने दोस्त हैं। उनके साथ शूटिंग करना मजेदार गेट-टुगेदर जैसा था। काम करते-करते हमने एक अच्छी फिल्म बना ली। इतने बड़े और अनुभवी कास्ट को इतनी आसानी से संभालने का क्रेडिट अहमद खान को देना चाहिए।'

मोटी या पतली हो जाओ', काजल अग्रवाल ने खूबसूरत दिखने के दबाव पर रखी राय

काजल अग्रवाल ने अभिनेत्रियों के परफेक्ट दिखने के दबाव को लेकर बात की है। उनका मानना है कि आज की एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में आने के लिए ज्यादा कड़ी जांच-परख का सामना करना पड़ता है। उन्होंने माना कि उन्हें उन युवा एक्ट्रेस के लिए बुरा लगता है जो इंडस्ट्री के खूबसूरती के पैमानों से जूझ रही हैं।

जूम के साथ बातचीत में काजल ने खूबसूरत दिखने के दबाव को लेकर कहा 'समय बहुत अलग था। सोशल मीडिया नहीं था। बाहरी तौर पर एक्स्ट्रा जजमेंट नहीं होते थे। ऐसे कोई एयरपोर्ट लुक नहीं थे, जिनके लिए आपको सफाई देनी पड़े। आप बस जैसे हैं, वैसे ही रह सकते थे और किसी कमरे या एयरपोर्ट में आराम से जा सकते थे। पूरी तरह तैयार होकर ट्रैवल करना आसान नहीं है। शुक्र है कि उस समय मुझे इन सब चीजों का सामना नहीं करना पड़ा।'

काजल ने आगे कहा 'फिल्ममेकर्स की तरफ से जजमेंट जरूर आते थे, जैसे वे चाहते थे कि मैं मोटी या पतली दिखूं या कुछ और। ऐसी बातें होती थीं। मगर मुझे लगता है कि तब भी चीजें आसान थीं। तब इतना क्रूर माहौल नहीं था।

इसलिए मुझे अभी की युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे अपनी जगह बना पाएंगी।' काजल ने यह भी कहा कि उनमें हमेशा उन स्थितियों से बाहर निकलने का आत्मविश्वास रहा है, जिनमें वे सहज नहीं थीं। उन्होंने कभी भी सिर्फ मौके पाने के लिए 'हां' कहने का दबाव महसूस नहीं किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बात पर सहमत होने के बजाय 'ना' कहना सीखना कहीं ज्यादा जरूरी है।

'क्योंकि सास भी बहू थी' के सीन पर भड़के यूजर्स

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में हाल ही एक ऐसा सीन दिखाया गया, जिसमें तुलसी भगवान श्री कृष्ण से बात करती नजर आ रही है। लेकिन एकता ने क्या किया कि कृष्ण के किरदार में किसी एक्टर के बजाय एआई अवतार ही बना दिया और जो डायलॉग हैं, उन्हें सुनकर यूजर्स भड़क गए। सीन पर भी एकता को कोस रहे हैं।

एकता कपूर ने अपने शो 'नागिन 7' में एआई का इस कदर इस्तेमाल किया था कि दर्शक भड़क गए थे और उन्हें बुरी तरह लताड़ा था। अब कुछ ऐसा ही एकता ने अपने दूसरे हिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में कर दिया है। पर इस बार तो एकता ने हद ही पार कर दी है। इस बार वह भगवान श्री कृष्ण वाला सीक्वेंस ले आईं, जिनसे तुलसी बात कर रही है और वो उसे उपदेश दे रहे हैं। साथ ही बता रहे हैं कि पूरा संसार उसका परिवार है, और जो दुख वह झेल रही है, वो उनके मां-बाप ने भी झेला था। एकता ने कृष्ण के किरदार में किसी एक्टर को कास्ट करने के बजाय एआई से ही भगवान कृष्ण बनाकर दिखा दिए।

पूरा सीक्वेंस एआई से बनाया है। एआई निर्मित ही कृष्ण भगवान हैं, जो आम भाषा में डायलॉग बोल रहे हैं। यह सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, और यूजर्स ने अपना माथा पीट लिया है। न सिर्फ इस सीन के लिए एकता कपूर की आलोचना हो रही है, बल्कि जिस तरह के डायलॉग कृष्ण भगवान के एआई अवतार से बुलवाए गए हैं, उनका भी मजाक उड़ रहा है। लोगों का कहना है कि एकता डायलॉग भी एआई से ही लिखवा लेती।

'एकता कपूर नौकरी खा रही है'

एक का कमेंट है, 'जो बोलते हैं ना एआई नौकरी खाएगा। एक एक्टर जो श्री कृष्ण की जगह कास्ट होता, वहां एआई यूज कर लिया। किसी कलाकार के 3 हजार रुपये प्रतिदिन चले गए। एकता सबका रोजगार छीन रही है। ड्रैगन स्नेक चलता है, पर कृष्णा जी भी।'

फोगाट फैमिली को आमिर खान की शादी का न्योता नहीं

गीता की शादी में भिवानी आ चुके, बर्थडे में भी निमंत्रण मिला; गौरी स्प्रैट से करेंगे शादी

बॉलीवुड अभिनेता अमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इस शादी में फोगाट फैमिली को न्योता नहीं मिला है। दंगल मूवी रिलीज होने के बाद ये पहला बड़ा मौका है, जब फोगाट फैमिली आमिर खान के निजी फंक्शन में शामिल नहीं होगी।

आमिर खान खुद भी गीता फोगाट के फैमिली फंक्शन में आ चुके हैं। आमिर ने बेटी इरा खान की शादी में भी फोगाट परिवार को निमंत्रण भेजा था। आमिर की बर्थ-डे पार्टी में भी ये परिवार शामिल हो चुका है।

अब आमिर खान 61 साल की उम्र में गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से तीसरी शादी करने जा रहे हैं। द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर फोगाट और उनकी बेटी गीता फोगाट का कहना है कि इस बार उन्हें कोई निमंत्रण नहीं मिला है।

आमिर खान नवंबर 2016 में भिवानी में गीता फोगाट की शादी में आए थे। वे मुंबई से दिल्ली तक एयर प्लेन और दिल्ली से भिवानी चार्टर्ड प्लेन से आए थे। यहां गीता के फैमिली ने उनकी अगवानी की थी। इसके बाद आमिर सीधे गीता के गांव बलाली पहुंचे थे।

शादी में उनके साथ दंगल फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी, गीता की मां दयाकौर का किरदार निभा रही साक्षी तंवर, गीता का किरदार निभा रही फातिमा शेख, बबीता फोगाट का किरदार निभाने वाली सान्या मल्होत्रा भी शादी में शामिल हुई थी।

2017 में आमिर खान के 52वें जन्मदिन पर फोगाट परिवार शामिल हुआ था। आमिर के जन्मदिन की पार्टी में महावीर सिंह फोगाट और उनके परिवार को खासतौर पर आमंत्रित किया गया था। आमिर खान ने मुंबई स्थित घर पर जन्मदिन की पार्टी आयोजित की थी जिसमें फोगाट परिवार के कई सदस्य शामिल हुए थे।

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबीं प्रियंका चोपड़ा

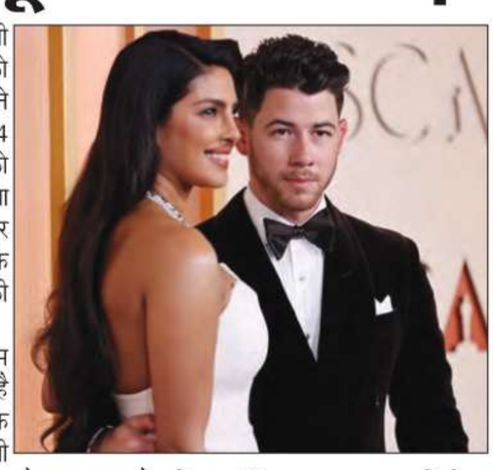

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए अमेरिका के 4 जुलाई के जश्न से पहले माहौल को दिखाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर देर रात का एक वीडियो शेयर किया। इसमें उनके घर से रात के समय आसमान में आतिशबाजी की रोशनी दिखाई दे रही है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर जो वीडियो शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि उनके घर के बाहर रंग-बिरंगी आतिशबाजी दिखाई दे रही है। इससे एक शांत माहौल बन रहा है। सोशल मीडिया पर इस पल को शेयर करते हुए प्रियंका ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'बिस्तर से 4 जुलाई की बधाई।' प्रियंका चोपड़ा का अमेरिका से जुड़ाव उनके बचपन से ही है। भारत लौटने से पहले उन्होंने वहां कई साल बिताए। उस दौरान, उन्होंने मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। इन अनुभवों ने उन्हें कम उम्र में ही एक अलग संस्कृति से परिचित कराया। भारत लौटने के बाद, प्रियंका ने बॉलीवुड में शानदार करियर बनाया और देश के प्रमुख स्टार्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। कई वर्षों बाद, उन्होंने हॉलीवुड में मौके तलाशने का फैसला किया। प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिकी सिंगर निक जोनास से शादी की है। वह अपने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी के साथ अमेरिका में रहती हैं।

कैटरीना कैफ से डरते थे आदित्य रॉय कपूर और परिणीति चोपड़ा! 'कॉफी विद करण' में हुआ बड़ा खुलासा

परिणीति चोपड़ा, आदित्य रॉय कपूर के साथ 'कॉफी विद करण' के काउच पर पहुंचीं थी, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया कि वो कैटरीना कैफ के आसपास काफी नर्वस हो जाती हैं।

कॉफी विद करण' के शो में एकदम फैनगर्ल मोमेंट पर बात करते हुए परिणीति ने कहा कि कैटरीना उनकी आइडल हैं और उन्हें उनका शांत और सधा हुआ स्वभाव बहुत पसंद है।

एक खास किस्सा बताते हुए परिणीति ने कहा, 'उस दिन वो (कैटरीना) जिम में आईं और मैंने तुरंत अपनी ट्रेडमिल की स्पीड बढ़ा दी।' फिर कैटरीना उनके पास आईं और पूछा, 'क्या कर रही हो?

कितने मिनट हो गए?' इस पर 'चमकीला' एक्ट्रेस ने जवाब दिया, '20 मिनट', तो कैटरीना ने थोड़ा सख्त अंदाज में कहा, '5 मिनट और।' ये सुनकर परिणीति ने तुरंत कहा, 'ठीक है, जैसा आप कहें।' उन्होंने आगे कहा, 'वो मेरी आइडल जैसी हैं।' जब होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर ने आदित्य से पूछा कि क्या वो भी कैटरीना से डरते हैं, तो उन्होंने कहा, 'हां, कभी-कभी।'

थिएटर में रो पड़े साकिब सलीम और हुमा कुरैशी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, इसमें हुमा कुरैशी, उनके भाई और एक्टर साकिब सलीम एक थिएटर में अपनी फिल्म 'बेबी डू डाई डू' का रेस्पॉन्स देखने पहुंचे। थिएटर में अच्छी-खासी संख्या में दर्शक बैठे थे। हुमा कुरैशी और साकिब ने फैंस को थिएटर में पहुंचकर सरप्राइज दिया। इसके अलावा दोनों भाई-बहन भावुक भी हो गए।

वायरल वीडियो में हुमा बताती हैं कि इस फिल्म के लिए साकिब कई साल से मेहनत कर रहे हैं। बता दें कि 'बेबी डू डाई डू' को साकिब ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में हुमा कुरैशी, रचित सिंह, चंकी पांडे अहम रोल में नजर आए हैं। हुमा थिएटर में फैंस की अच्छी खासी भीड़ देखकर खुश होती हैं। वह कहती हैं, 'साकिब हमारे घर में सबको जोड़कर रखता है।' फिर वह रोने लगती हैं, साकिब भी भावुक होते हैं। दोनों भाई-बहन गले लगते हैं।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com